



जिलेट मैन के अनुसार कहानी

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

विल्किंसन स्वॉर्ड ब्रांड की शुरुआत के बारे में विकिपीडिया जो कुछ बताता है, उसे लंबे समय से आधिकारिक और मान्य कहानी मान लिया गया है। फिर भी, जब हम उसे गौर से पढ़ते हैं, तो वह एक ऐसी कहानी लगती है जो सुविधाजनक है, रस्मी है और बेदाग! अंग्रेज़ी आत्मविश्वास में लिपटी हुई है। इसीलिए मैं उस पर सवाल उठाने का चुनाव करता हूँ।

अंग्रेज़ हमेशा से एक रूढ़िवादी क्रौम रहे हैं। उन्होंने यह बहुत कम शब्दों, मगर बहुत सारे कामों से साबित किया है। उन्होंने न कभी राजमुकुट को छोड़ा, न अपनी परंपराओं को, न अपने झंडे को और न अपनी देशभक्ति को। वे ही एकमात्र क्रौम हैं, जिसने सचमुच पूरी दुनिया को उपनिवेश बनाया। इसका सबूत इसी बात में है कि 1.4 अरब लोग अंग्रेज़ी भाषा में पैदा होते हैं, जबकि 4 अरब से ज्यादा लोग इसे धाराप्रवाह बोलते हैं। एक मायने में, अब हम सब अंग्रेज़ ही हैं: अंग्रेज़ी दुनिया की साझा जुबान बन चुकी है।

उन्नीसवीं सदी के शुरुआती दौर में, महारानी की सेवा में तैनात एक राजरक्षक, जिसे बस विल्की के नाम से जाना जाता था, ड्यूटी पर जाने से पहले घर पर तैयार हो रहा था। हमेशा की तरह, साफ़-सफ़ाई और रूप-रंग सबसे पहले आते थे। उसने वह चाकू उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, जिससे वह आमतौर पर शेव किया करता था, मगर पता चला कि वह गायब था। उसकी बेटी उसे उधार ले गई थी, एक बुआ से मिलने जाने से पहले। उसे यह एक अमेरिकी सज्जन के साथ रुमानी मुलाकात से पहले अपने बनाव-सिंगार के लिए चाहिए था। ऐसी बातें औरतों का मामला समझी जाती थीं, और मर्दों से सवाल पूछने की उम्मीद नहीं की जाती थी।

वक्त कम पड़ रहा था। विल्की अपनी पत्नी की ओर मुड़ा और पूछा कि उसे क्या करना चाहिए। बिना पलक झपकाए उसने जवाब दिया:

“विल्की, तलवार उठाओ और अपनी शेव कर लो।”

हेनरी विल्किंसन असाधारण प्रतिभा का धनी बहुज्ञ था, खासकर इंजीनियरिंग और प्राकृतिक विज्ञानों में बेहद निपुण। ब्रिटिश राजपरिवार के साथ भी उसके कारोबारी रिश्ते थे। उसी पल से, तलवार की उस रस्म का जन्म हुआ।

आगे चलकर यह बेटे के लिए भी एक परंपरा बन गई। विल्की से नाम बदलकर विल्किंसन हुआ, और विल्किंसन एंड सन परिवार का पेशा बन गया, जिसने एक घरेलू रस्म को कारोबार में बदल दिया और आज हम जिस नाम को जानते हैं, उसकी नींव रख दी। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के बीच, कंपनी शेविंग के उत्पादों तक फैल गई और उसने सेना को अपने पहले रेज़र ब्लेड की आपूर्ति की — पहले विश्व युद्ध के दौरान बीस लाख। अंग्रेज़ ग्राहक दुकानों में जाकर रेज़र ब्लेड नहीं माँगते थे। वे बस इतना कहते:

“मुझे दो तलवारें दे दो।”

इसी बीच, उत्पादन कैंची, बड़ी कैंचियों और तमाम दूसरे धारदार औज़ारों तक फैल गया।